CLASS: III

DATE :

SESSION NO : 7

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NAME ओणम

SUB –TOPIC: प्रस्तावना तथा आदर्श पठन

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

सीखने का उद्देश्य:

बच्चों के पठन कौशल तथा उच्चारण की शुद्धता में काफी वृद्धि ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुनरावृत्ति कार्य
ODM
EDUCATIONAL GROUP

प्रस्तावना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

चित्र वर्णन के माध्यम से पाठ की खोज

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

चित्र वर्णन के माध्यम से पाठ की खोज

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ-पाँच

पाठ का आदर्श पठन

चिंतन-मनन

त्योहार जीवन में हर्षोल्लास के रंग भरते हैं। उसे आनंदपूर्ण और सरस बना हैं। अनेकता में एकता के प्रतीक भारतीय पर्व सभी को खुशियों से भर देते ह ओणम केरल राज्य का एक ऐसा ही पर्व है।

भारत त्योहारों का देश है और यहाँ हर त्योहार की अपनी अलग पहचान कुछ पर्व पूरे भारतवर्ष में मनाए जाते हैं, तो कुछ राज्यों के अनुसार। जि प्रकार कर्नाटक का दशहरा, महाराष्ट्र का गणेशोत्सव, गुजरात का नव प्रसिद्ध है, उसी प्रकार केरल राज्य का ओणम प्रसिद्ध है।

ओणम मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है। माना जाता है कि के राज्य में महाबलि नामक राजा थे। वह एक अच्छे राजा व शासक थे। अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध थे। अपनी ख्याति देखकर राजा ब को अपने आप पर घमंड होने लगा। इंद्र देवता को राजा बलि का प्रभु देखकर चिंता होने लगी, तब उन्होंने भगवान विष्णु की सहायता ली। भगव विष्णु ने वामन अवतार धारण करके बलि से दान में तीन पग भूमि माँग पहले पग में उन्होंने पृथ्वी और दूसरे में आकाश नाप लिया। तीसरा प

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ का आदर्श पठन

महाबलि के सिर पर रख उसे पाताल भेजा। कहते हैं कि साल में एक दिन राजा महाबलि अपनी प्रजा से मिलने आते हैं और अपने राज्य की खुशहाली देखकर संतुष्ट होते हैं। यही दिन 'ओणम' का दिन है, जो 'फ़सल पर्व' के रूप में मनाया जाता है।

दस दिनों तक चलने वाला यह पर्व धर्म, जातिगत मान्यताओं तथा अमूल्य ऐतिहासिक विरासतों से जुड़ा पर्व है। इसमें केरल की सांस्कृतिक छाप देखने को मिलती है। इस दिन यानी 'तिरू ओणम' (प्रथम दिवस) पर महिलाएँ नए वस्त्र पहनती हैं। आमतौर पर इनके वस्त्र खादी से बने होते हैं, जिन्हें 'मुंडु' कहा जाता है। घर की बुज़ुर्ग महिला छोटों को उपहार देती हैं। आँगन में विशेष प्रकार के फूलों से सजी रंगोली बनाई जाती है। बीच में पीतल या काँसे का दीपक रखा जाता है, उसे 'कुलवेलक' कहा जाता है। भगवान को चावल, गुड़, घी तथा दूध से बनी खीर का भोग चढ़ाया जाता है। शाम के समय रंगोली के चारों ओर गोल घेरा बनाकर नृत्य किया जाता है। चावल, केले से बने विविध व्यंजन और मिष्ठान त्योहार के आनंद को दुगना करते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ का आदर्श पठन

ओणम के अवसर पर नौका दौड़ का आयोजन किया जाता है। इसे 'वल्लमकली' कहते हैं। यह नौका मामूली नहीं होती। यह 100 फुट लंबी होती है और इसे 150 चालक चलाते हैं। ओणम का अवसर शाही हाथियों के भव्य समारोह के कारण ऐतिहासिक महत्व रखत है। अमीर–गरीब का भेदभाव भूलकर मनाया जाने वाला ओणम पर्व आनं और उल्लास का पर्व है।

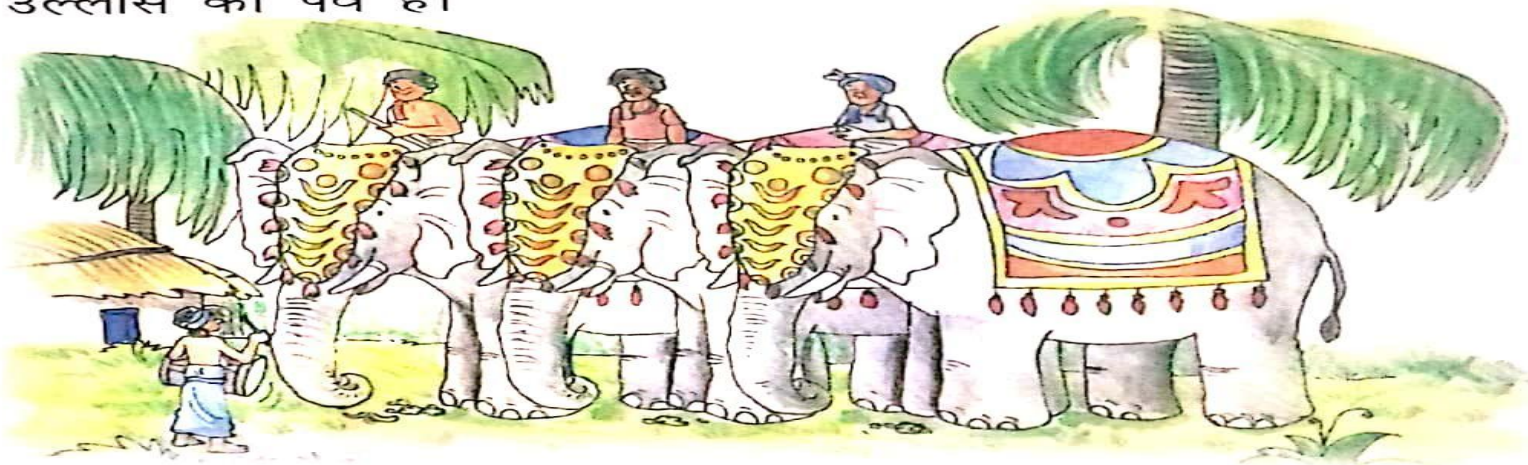

जीवन–सूत्र

- प्रत्येक त्योहार में अपनी विधि व परंपरा के साथ समाज व देश के लिए एक संदेश होता है। यह संदेश हमें एक सूत्र में बाँधे रखता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य

कक्षा कार्य कापी में एक सुंदर रंगोली का चित्र बनाकर रंग भरिए तथा रंगोली को आपने कैसे बनाया उसके बारे में पाँच वाक्य लिखें

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अध्ययन के परिणाम

पाठ पठन के बाद बच्चों मैं सही तरीक़े से पठन कौशल का विकास हो पाया।

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow